केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 197 सोमवार 10 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

टीन शेड से लटकता मिला किशोरी का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के करौता में संदिग्ध परिस्थिति में एक किशोरी का शव टिनशेड में लटकता मिला। करौता निवासी ज्योती (15) पुत्री हरिलाल का शव घर के पास टिनशेड की कुंडे से लटक रहा था। जानकारी होने पर ज्योति के पिता मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतारा। परिवार अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान किसी ने इसकी सूचना सोनहा पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंचे एसआई जयविंद यादव व अन्य शव को कब्जे में लिया और पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस की पूछताछ में ज्योति के पिता हरिलाल ने बताया कि वह आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। परिवार के सदस्य काम से शनिवार को बाहर गए थे। परिवार जब लौटा तो उसका शव पास के टिनशेड में लटकता मिला। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रभारी निरीक्षक मोतीचंद राजभर ने बताया कि मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

रिहायशी झोपड़ी में आग लगने से नगद व जेवरात जलकर खाक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के जिभियांव गांव निवासी औरंगजेब पुत्र रब्बाक के रिहायसी झोपड़ी में शनिवार की देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गयी। जिसमें रखा 22 हजार नगद, जेवर, मोबाइल व घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

स्वजनो ने बताया कि पूरा परिवार रोज की तरह खाना खाने के बाद झोपड़ी में सो रहे थे। भोर में आग की लपट लगी और नींद खुला तो देखा झोपडी जल रहा था। शोर मचाने पर आस–पास के लोग आधा दर्जन बकरी को बाहर निकाले और कडी मेहनत के बाद आग पर काबू पाए। घर में रखा बाइस हजार नगद, मोबाइल, जेवर, राशन, बर्तन जलकर राख हो गया। बांस में रखा एक हजार रुपया सुरक्षित मिला।

मानवता ही ईश्वर के निकट जाने का सबसे अच्छा अवसर–ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आर्य समाज नई बाजार बस्ती में आयोजित साप्ताहिक स्वाध्याय एवं यज्ञ कार्यक्रम में मानवता के लिए यज्ञ किया गया। इस अवसर पर यज्ञ में आहुतियां दिलाते हुए ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि मानवता की सेवा करना ही ईश्वर के निकट जाने का सबसे अच्छा मौका है। वेद का संदेश है 'आत्मवत सर्वभूतेषु अर्थात समस्त आत्माओं को अपनी आत्मा के समान जानना। परमात्मा का एक ही उपदेश अपने जीवन में उतरने से ही जीवन सफल हो जाता है। मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है पर दुर्भाग्य है कि मानव के पास हर समय रहने वाले उस ईश्वर से मानव स्वयं को दूर ही समझता है और उसे इधर उधर खोजता फिरता है और हर समय उसकी पूजा करते हुए स्वर्ग या जन्नत की मांग करते हुए उसी के भक्तों या बंदों से लड़ता झगड़ता रहता है यहां तक कि एक दूसरे के खून के प्यासे भी हो जाते हैं। अब गौरतलब है कि जो जिन्होंने परमात्मा का एक छोटा सा उपदेश नहीं माना क्या वह जन्नत में जाकर लड़े बिना रह लेंगे?

इस अवसर पर पुनीत राज, परी कुमारी, राजेश्वरी, रिमझिम, कार्तिकेय ने गायत्री मंत्र का सस्वर वाचन किया। कार्यक्रम में गरुण ध्वज पाण्डेय, नितीश कुमार, शिव श्याम, देवव्रत आर्य, डॉ अजय चौधरी, राधा देवी और गणेश आर्य ने विशेष सहयोग किया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने त्याग पत्र दिया

इम्फाल (आभा)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने रविवार को इंफाल में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। खबरों के मुताबिक, बीरेन सिंह के इस्तीफे के पीछे की वजह कांग्रेस द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि सिंह के नेतृत्व से नाखुश बीजेपी विधायक अविश्वास प्रस्ताव में कांग्रेस का साथ देने वाले थे।

सिंह के इस्तीफे से पहले, मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंजूरी के बिना पहाड़ी जिलों में प्रमुख प्रशासनिक बदलाव किए गए। सुबह सिंह ने नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, सिंह पार्टी के अंदर और बाहर से दबाव का सामना कर रहे थे।

कांग्रेस की ओर से अविश्वास प्रस्ताव की धमकी, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के समर्थन वापस लेने और पार्टी के अंदरुनी लोगों के विरोध के चलते उन्हें इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा।

बता दें कि कॉनराड संगमा की एनपीपी के समर्थन वापस लेने के बाद भी मणिपुर में भाजपा के पास बहुमत था। लेकिन संभावना थी कि फ्लोर टेस्ट की स्थिति में कुछ विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। ये विधायक पार्टी नेतृत्व में बदलाव की मांग कर रहे थे।

राज्य में मई 2023 से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह भारी दबाव में थे और उनको पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही थी। एनडीए की सहयोगी एनपीपी ने भी मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था और नेतृत्व परिवर्तन करने की मांग की थी।

बोर्ड परीक्षाः छात्रों का भविष्य संवारने में जुटे हैं शिक्षक राजेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाईस्कूल इंटर मिडिएट की बोर्ड परक्षाओं के शुरू होने में अब कुछ दिन ही शेष बचे है। परीक्षार्थियों के मन में अनेक प्रकार की शंकाये बनी हुई हैं। बचा हुआ पाठ्यक्रम कैसे तैयार किया जाये, और जो पाठ्यक्रम पढ़ा हुआ है उसको कैसे तैयार किया जाए जिससे अधिक से अधिक मार्क प्राप्त हो सके। ऐसे चिंतित परीक्षार्थियों के लिए चिंताहरण बन रहे है निःशुल्क नवाचारी शिक्षक राजेंद्र उपाध्याय। श्री उपाध्याय अपना व अपने परिवार के पालन पोषण के लिए उन्नत किस्म की खेती करते है। राजेंद्र उपाध्याय मूलतः कप्तानगंज के सेठा गाँव के रहने वाले है। इस समय राजेंद्र उपाध्याय जनपद के विभिन्न स्कूलों में पहुँच कर बोर्ड परीक्षार्थियों मे हिन्दी विषय के समस्याओं का समाधान बता रहे है। निःशुल्क नवाचारी शिक्षक राजेंद्र उपाध्याय बोर्ड परीक्षार्थियों को हिंदी विषय का समाधान बताते हुए कहते हैं की वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों द्वारा सबसे अच्छा मार्क हिंदी में प्राप्त होता है क्योंकि इन प्रश्नों के उत्तर सही पाए जाने पर पूर्णांक मार्क मिलता है। लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लिखते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए हमें लिखते समय सटीक तथ्यों को लिखना चाहिए तथा महत्वपूर्ण लाइन को रेखांकित कर देना चाहिए। कवियों एवं लेखकों का जीवन परिचय देते समय उनके बारे में संक्षिप्त में पूर्ण जानकारी देने का प्रयत्न करना चाहिए यदि साथ में सांहित्यिक परिचय पूछा हो तो उनकी रचनाओं का उल्लेख अवश्य करना चाहिए। निबंध लेखन पत्र लेखन आदि लिखते समय विषय वस्तु का चयन सारगर्भित होना चाहिए।

सरदार सेना बस्ती मण्डल मीडिया प्रभारी बने जितेन्द्र कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजसेवी जितेन्द्र कुमार को सरदार सेना का बस्ती मण्डल मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। सरदार सेना के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी वृजेश पटेल की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष विनय चौधरी ने जितेन्द्र कुमार को मनोनयन पत्र सौंपा।

जितेन्द्र कुमार को सरदार सेना का बस्ती मण्डल मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर अमित चौधरी, नागेन्द्र चौधरी, विकास चौधरी, धनन्जय वर्मा, मुकेश कुमार, मनोज निषाद, अखिलेश कुमार, रामाशीष चौधरी, अखिलेश प्रजापति, अंकित चौधरी, समर चौधरी, राहुल निषाद, निरंकार चौधरी, दिलीप चौरसिया, सुनील पटेल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

छात्र युवा दल के मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद में साहित्य, कला और संगीत के प्रति समर्पित सामाजिक संस्था बस्ती विकास समिति की उप समिति छात्र युवा दल की एक आवश्यक बैठक सामाजिक कार्यकर्ता पवन वर्मा के आवास पर संस्थापक अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जल्द ही कार्यकारिणी विस्तार एवं गठन हेतु चर्चा हुई।

राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि छात्र युवा दल छात्रों युवाओं का एक स्वतंत्र संगठन है, यह किसी राजनैतिक पार्टी का संगठन नही है। मानव के अधिकार एवं जन कल्याण के लिए कार्य करने वाली इस संगठन का उद्देश्य समाज की सेवा करना है, युवाओं के विकास और नेतृत्व को बढ़ावा देना है, युवाओं को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि युवा भारत के भाग्य विधाता हैं वह आगे बढ़े व देश को भी आगे बढ़ाएं।

पवन वर्मा ने कहा कि छात्र युवा दल लगभग 24– 25 वर्षों से जनपद में छात्र और युवा हित के लिए कार्य कर रहा है। संगठन द्वारा रचनात्मक रूप से सोचने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करते हैं।

इस दौरान ऋषि मिश्रा, विनय कुमार राजपूत, रजनीश प्रताप वर्मा, सत्येन्द्र मिश्रा, पंकज गौतम, रोहन श्रीवास्तव, अखिलेश त्रिपाठी, बच्चू लाल निषाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आशा बहुओं की भूमिका महत्वपूर्ण–कौशलेन्द्र प्रताप सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को ऑल इण्डिया आशा अधिकार मंच का प्रथम स्थापना दिवस राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय के संयोजन में उत्साह और संकल्पों के साथ मनाया गया। हरैया के 100 बेड वाले हास्पिटल के परिसर में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये हरैया नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने में आशाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

–स्थापना दिवस पर उठे मुद्दे अधिकारों के लिये संघर्ष पर जोर

सरकार को चाहिये कि इनकी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान कर मांगों को पूरा किया जाय। राष्ट्रीय अध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय ने आशा बहनों के समस्याओं की विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि ऑल इण्डिया आशा अधिकार मंच निरन्तर सरकार का ध्यानाकर्षण कर रहा है।

संगठन जिलाध्यक्ष इसरावती चौधरी ने कहा कि समूचे जनपद में संगठन विस्तार की दिशा में जमीनी धरातल पर कार्य किये जा रहे हैं। स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय संरक्षक दिनेश सिंह मगन के सेवा निवृत्त होने पर उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत करते हुये उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऑल इण्डिया आशा अधिकार मंच की राष्ट्रीय महासचिव शैलेन्द्री श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव शारदा देवी, जिला महामंत्री पूनम सिंह, हरैया ब्लाक अध्यक्ष दीपमाला पाण्डेय, परसुरामपुर ब्लाक अध्यक्ष शोभावती दूबे, विन्दवासिनी पाण्डेय, नीलम चौधरी, रेखा देवी, शीला देवी के साथ ही सतीश पाण्डेय, अंकित उपाध्याय, राजेश पाण्डेय, अमित यादव, सुख सागर पाण्डेय के साथ ही बड़ी संख्या में आशा बहनें शामिल रहीं।

मुठभेड़ में 31 नक्सली ढेर, 2 जवान शहीद

बीजापुर (आभा)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से ठीक पहले बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में पुलिस व नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई है। पुलिस सुरक्षा बल ने छत्तीसगढ़–महाराष्ट्र बॉर्डर पर 31 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं दो जवान बलिदान और दो जवान घायल भी हुए हैं।

घायल जवानों को निकालने के लिए जगदलपुर से एमआई–17 हेलीकॉप्टर रवाना किया गया , बस्तर संभाग के आईजीपी सुंदर राज ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। मारे गए नक्सलियों की संख्या और बढ़ सकती है। सुरक्षा बलों को माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद फोर्स को मौके के लिए निकाला गया था। इसी बीच 9 फरवरी की सुबह नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। घंटों चली इस मुठभेड़ में अब तक 31 नक्सली मारे गए हैं। वहीं डीआईजी कमलोचन कश्यप ने कहा कि, बड़ा ऑपरेशन है। संख्या स्पष्ट नहीं बता सकते, लेकिन इतना है कि नक्सलियों को बड़ा नुकसान हुआ है।

शैक्षिक विचार गोष्ठी में शिक्षकों की समस्याओं पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को समाजवादी शिक्षक सभा का जिला सम्मेलन और शैक्षिक विचार गोष्ठी जिलाध्यक्ष डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार और समाज दोनों का दायित्व है कि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से हो। यदि शिक्षक स्वयं अपनी समस्याओं से ग्रस्त रहेगा तो वह भावी भविष्य का निर्माण कैसे कर सकता है।

शैक्षिक विचार गोष्ठी को बाबूराम वर्मा, अर्जुन यादव, आर. एन. सिंह, लाल बहादुर, तफज्जुल हुसेन, राम रक्षा वर्मा, रमेश चन्द्र गौतम और डा. महेन्द्र सोनी से सम्बोधित करते हुये पुरानी पेंशन नीति की बहाली और वित्त विहीन शिक्षकों की पूर्व के सपा सरकार की भांति सुनिश्चित मानदेय दिये जाने का मुद्दा उठाया।

अध्यक्षता करते हुये डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि भाजपा की सरकार में शिक्षकों का सामूहिक बीमा, परिवार नियोजन भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता बंद कर दिया गया। इससे शिक्षकों में स्वाभाविक आक्रोश है। कहा कि सरकार शिक्षक समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है, स्थिति ये है कि चयन बोर्ड अधिनियम में प्राप्त सेवा सुरक्षा को भी समाप्त कर दिया। कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिये एकजुट न हुये तो एक–एक कर उनके अधिकार छीन लिये जायेंगे। विचार गोष्ठी में शिक्षकों ने पार्टी के पीडीए संकल्पों पर प्रकाश डाला।

–समाज, सरकार दोनों मिलकर शिक्षक समस्याओं का समाधान करायें–राजमणि पाण्डेय

शैक्षिक विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से आज़ाराम चौधरी, आर. एन. सिंह, गंगाराम वर्मा, सुनील मौर्य, पवन कुमार चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, दिनेश यादव, हरीराम, राजेश यादव, कुलदीप विश्वकर्मा, रमेश चन्द्र गौतम, रजनीश वर्मा, शिवसरन चौधरी, सन्तोष प्रजापति, रमेश वर्मा, दरवेश यादव, विद्धेश यादव, हरीश कुमार, अमरनाथ चौधरी, सन्तोष प्रजापति, रंगीलाल वर्मा, राजेश आर्य, सुरजीत यादव के साथ ही समाजवादी शिक्षक सभा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य, शिक्षक उपस्थित रहे।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट का विस्तार- अंकुर वर्मा ने दिलाया शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक संस्था कायस्थ सेवा ट्रस्ट का विस्तार करते हुये जिलाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव ने नये पदाधिकारियों की घोषणा की। चित्रगुप्त मन्दिर के सभागार में आयोजित समारोह में को नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाया। राजेश कुमार श्रीवास्तव के संयोजन में नवगठित कार्यकारिणी में अरुण कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विनायक श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव तथा रनदीप माथुर उपाध्यक्ष, नीतेश श्रीवास्तव संगठन, विश्वास चित्रांश महामंत्री, शिवनंदन कुमार श्रीवास्तव तथा शनि श्रीवास्तव को सचिव की जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने चित्रगुप्त मन्दिर तथा कायस्थ कम्यूनिटी के उत्थान को लेकर विस्तार से अपने विचारों को साझा किया।

चित्रगुप्त मन्दिर के संस्थापक सुरेन्द्र मोहन वर्मा ने कायस्थ सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों को शुभकामनायें देते हुये कहा देश की आजादी से लेकर आज तक हर क्षेत्र में कायस्थों का बढ़चढ़ कर योगदान रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य चिंताजनक है। कायस्थों का कोई प्रतिनिधि न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे में हमे अपनी पहचान और अस्तित्व को कायम रखने के लिये स्वयं एक दूसरे की मदद को आगे आना होगा। दिनेश श्रीवास्तव ने कायस्थों में देशभक्ति, समाज सेवा, तथा सृजन की अदभुत क्षमता है। उचित मार्गदर्शन के अभाव में आज हमे विकास के जिस पायदान पर होना चाहिये नही हैं। इतना ही नही अनेक परिवारों की स्थिति काफी खराब है। हम सभी को एकजुटता दिखाते हुये उनके सुख दुख में साथ खड़ा होकर उन्हे मजूबत करना होगा।

ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थों के उत्थान के लिये किये जाने वाले प्रयासों में हर संभव मदद किया जायेगा। इसके लिये सुनियोजित प्रयास करने होंगे। अशोक श्रीवास्तव ने कहा सिद्धान्तों को व्यवहार रूप देना होगा। कई दशक से सुना जा रहा है कि कायस्थ कम्यूनिटी को ऊपर उठाया जायेगा, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कम्यूनिटी दिन प्रतिदिन हाशिये पर जा रही है। नवीन श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त ने भी कायस्थ कम्यूनिटी के लिये योगदान देने का संकल्प लिया। डा. आलोक मणि त्रिपाठी, डा. सौरभ सिन्हा, अनिल श्रीवास्तव, ओमप्रकाश मिश्रा, दिलीप श्रीवास्तव, प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, डा. मनोज सिन्हा, मनोज श्रीवास्तव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अरूणेश श्रीवास्तव, अनिवाश श्रीवास्तव आदि ने भी सम्बोधित किया। जिलाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव ने अतिथियों को भगवान श्रीचित्रगुप्त का चित्र भेंट किया।

कार्यक्रम का संचालन चीफ ट्रस्टी अजय कुमार श्रीवास्तव ने किया। दुर्गेश श्रीवास्तव, अरविन्द श्रीवास्तव गोला, सूर्यमान उपाध्याय, आलोक श्रीवास्तव, रामकुमार लाल श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, उदयशंकर श्रीवास्तव, पुलक श्रीवास्तव, मनमोहन श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, संयम श्रीवास्तव, हर्ष नंदन श्रीवास्तव आदि

हजारों गर्भवती महिलाओं का सामान्य प्रसव कराने वाली सुधारी देवी के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
–सौरभ वीपी वर्मा–

बस्ती–एक ऐसा नाम जो न तो कभी ग्लैमर रहा है और न ही उनका कोई फीस था उसके बाद भी उन्होंने एक हजार से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का नार्मल डिलेवरी उनके घर पर ही करवाने का रिकॉर्ड कायम किया जिसकी वजह से वह अपने इलाके में महिलाओं की एक निःशुल्क डॉक्टर के रूप में प्रसिद्ध हुईं उनका नाम था सुधारी देवी।

बस्ती जनपद के सल्टौआ विकास खंड के अमरौली शुमाली ग्राम पंचायत के रामनगर गांव की रहने वाली 85 वर्षीय सुधारी देवी करीब 6 दशक तक क्षेत्र में एक महिला वैद्य के रूप में लोगों की चहेती बनी रहीं क्योंकि वह गर्भवती महिलाओं की नाड़ी छूकर

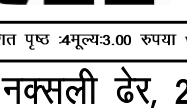

बता देती थीं कि बच्चा नार्मल होगा या अस्पताल जाने की जरूरत पड़ेगी। क्षेत्र के ग्रामीण बताते हैं कि सुधारी देवी का इस मामले में अनुभव इतना ज्यादा था कि अगर वह किसी गर्भवती महिला को देखकर और छूकर बच्चा पैदा होने का समय भी बता देती थीं तो वह शत प्रतिशत सही निकलता था।

रामनगर गांव के रहने वाले 70 वर्षीय बाबूराम वर्मा बताते हैं कि गायत्री देवी का गर्भवती महिलाओं के बारे में अनुभव इतना ज्यादा था कि वह महिला के शरीर को छूकर पूरी तरह से जान जाती थीं कि महिला को डॉक्टर के पास ले जाना पड़ेगा या नार्मल डिलेवरी होगा वह बताते हैं कि जब अस्पतालों और डॉक्टरों का अभाव था तब सुधारी देवी ही क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं की डॉक्टर हुआ करती थीं। सुधारी देवी के पुत्र शीतला प्रसाद ने बताया कि वह पिछले 4 वर्षों से अस्वस्थ थीं जिसकी वजह से वह कहीं आती जाती नही थीं रविवार करीब 1 बजे उनका निधन हो गया। सुधारी देवी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 फरवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

क्षेत्रीय दलों के लिये खतरे की घंटी

दिल्ली का जनादेश जिस रूप में सामने आया है वह क्षेत्रीय दलों के लिये बड़े खतरे की घंटी है। धीरे–धीरे देश दो दलीय राजनीतिक व्यवस्था की ओर आगे बढेगा और क्षेत्रीय दलों के लिये अस्तित्व बचाना मुश्किल होता जायेगा। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में धमाकेदार जीत दर्ज की है। 27 साल बाद सत्ता में वापसी कर रही भाजपा में मुख्यमंत्री के लिए कई नाम रेस में हैं। बताया जा रहा है कि नया मुख्यमंत्री चुने गए विधायकों में से ही कोई होगा। हालांकि पार्टी इससे पहले तमाम फैक्टर्स पर भी गौर कर रही है। इसमें राष्ट्रीय राजधानी में जातिगत संतुलन को भी देखा जा रह है। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम के तौर पर प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, सतीश उपाध्याय और विजेंद्र गुप्ता आदि के नाम चल रहे हैं।

शीला दीक्षित की तरह ही अरविंद केजरीवाल ने भी लगातार तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 2013, 2015 और 2020 में उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह बात अलग है कि वह शीला दीक्षित की तरह वह तीन बार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। पहली बार 49 दिन बाद दो तीसरे कार्यकाल में साढ़े चार साल बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। सिर्फ दूसरे कार्यकाल में वह पूरे पांच साल मुख्यमंत्री रहे। जिस तरह शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार, दिल्ली में पानी की कमी और टैंकर माफिया के कब्जे जैसे मुद्दे को प्रमुखता से उछालकर कांग्रेस का किला ढहाया, ठीक उसी तरह भाजपा भी उनके खिलाफ घोटाले और घरों में गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या को लेकर उनकी छवि ध्वस्त करने में कामयाब रही। यह भी अजब संयोग है कि 2012–13 में जिस तरह केजरीवाल ने शीला दीक्षित के बंगले और उसमें सुख–सुविधाओं का मुद्दा उछाला ठीक उसी तरह उन्हें भी कथित शीशमहल और उसमें करोड़ों रुपए के खर्च को लेकर घेरा गया। शीला के खिलाफ प्रचार करते हुए केजरीवाल जनता को बताया करते थे कि उनके बंगले में 12 एसी लगे हैं।अब भाजपा भी केजरीवाल के बंगले में 52 एसी, सोने के टॉयलेट सीट और 29 लाख की टीवी का दावा करते हुए जनता में उनकी छवि धूमिल करने में कामयाब रही।

दोनों की सत्ता से विदाई भी लगभग एक जैसी ही रही। जिस तरह शीला दीक्षित 2013 में नई दिल्ली सीट से हारकर सत्ता से रुखसत हुईं उसी तरह अरविंद केजरीवाल भी दिल्ली के साथ अपनी सीट भी हार गए। दोनों को ही नई दिल्ली सीट पर पराजय का मुंह देखना पड़ा। अरविंद केजरीवाल ने तब शीला दीक्षित को हराकर सीट पर कब्जा जमाया था। ठीक उसी तरह भाजपा के प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को सीधी टक्कर देते हुए उन्हें हराया और दिल्ली की सत्ता से विदाई तय कर दी। यह अलग बात है कि केजरीवाल कुछ महीने पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके थे, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद के दावेदार जरूर थे।

दिल्ली में करारी हार के बाद पंजाब में भी आम आदमी पार्टी के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 10 साल राजधानी में काबिज रहने के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी कभी नहीं सोचा होगा कि चुनाव में जनता उन्हे इस तरह का झटका देगी। केजरीवाल खुद अपनी सीट पर हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हार गए। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री सौरभ भारद्वाज को भी कड़ी शिकस्त झेलनी पड़ी। 2013 के बाद दिल्ली में पहली बार आप को हार का मुंह देखना पड़ा। इसमें बड़ा फैक्टर एंटी इनकंबेंसी भी है जिसका सामना पंजाब में भी करना पड़ेगा। ऐसे में आम आदमी पार्टी को अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी है। आम आदमी पार्टी ने पिछले विध ाानसभा चुनाव में 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं इस बार उसे मात्र 22 सीटों पर संतष करना पड़ा है। पार्टी का वोट शेयर भी 10 फीसदी कम होकर 43.57 प्रतिशत हो गया है। दिल्ली में ऐसी भी 14 सीटें थीं जिनपर जीत हार का फैसला बेहद कम अंतर से हुआ। इन सीटों पर 5 हजार से कम के अंतर से जीत हार हुई। वहीं अरविंद केजरीवाल ने दोपहर में ही अपनी हार स्वीकार कर ली। इसके बाद रविवार को आतिशी ने भी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं पंजाब की बात करें तो वहां आम आदमी पार्टी के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान ही खतरे की घंटी बज गई थी। वहीं दिल्ली का चुनाव आम आदमी पार्टी को फिर सावधान कर रहा है। यह भी चर्चा है कि पंजाब में भी कई आप विधायक असंतुष्ट हैं। ऐसे में पंजाब पर पकड़ बनाए रखने के लिए आम आदमी पार्टी को जमीन पर उतरना पड़ेगा। पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती भ्रष्टाचार के आरोपों से पार पाने की है। पीएम मोदी ने साफ कह दिया है कि दिल्ली में भ्रष्टाचार की चांज करवाई जाएगी। बहरहाल यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दिल्ली में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी का भविष्य किस रूप में सामने आयेगा।

दिल्ली: ‘आप’ का न गढ बचा न सेनापति

—उमेश चतुर्वेदी—

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

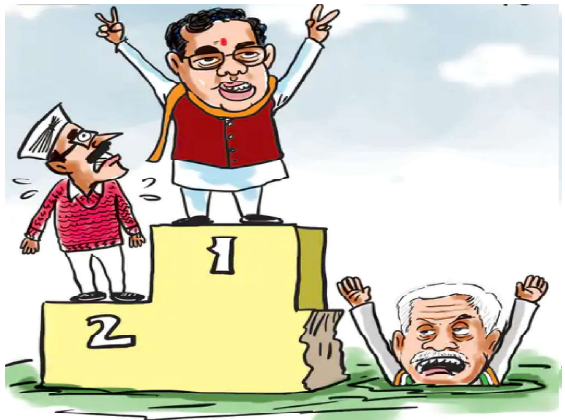

अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोध ाी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को कितनी उम्मीदें थीं कि अन्ना का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का–दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड–छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ लेकर अरूणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरियाभरी राह का सपना थीं।

आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वायदे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल ध ीरे–धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। झूठ और फरेब की राजनीति को ही उन्होंने अपनी सियासी आदत बना लिया। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण,. वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके साथ रहे उनके आंदोलन के दिनों के साथी मनीष सिसोदिया और स्वाति मालीवाल। हालांकि उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी।

केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए। मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा–हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए। शुरू में उनकी बहानेबाजी तो चली,लेकिन बाद में लोगों ने समझना शुरू कर दिया कि वे सिर्फ हवा–हवाई दावे करते हैं और बहानेबाजी के जरिए खुद को बचा ले जाते हैं। 2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रूपए महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। सूचना और संचार क्रांति के दौर में ये सारी बातें दिल्ली की जनता तक पहुंचती रहीं। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया।

पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रूपए महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रूपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। मंडल स्तर तक बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया, सबके योग्य जिम्मेदारी दी। सभी कार्यकर्ता सक्रिय हुए। उन्होंने जमीनी स्तर तक काम किया। इसका असर चुनावों में दिखा। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस भी है। हालांकि उसे पिछले चुनाव की तुलना में महज दो फीसद ज्यादा वोट मिले हैं। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित ने खुलेआम मोर्चा खोल रखा था। उन्होंने कहा था कि अपनी मां के अपमान का बदला वे जरूर लेंगे। संदीप खुद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से मैदान में उतरे और केजरीवाल की हार की पटकथा लिखने में मदद की। कांग्रेस ने भी मान लिया है कि उसका असली दुश्मन भारतीय जनता पार्टी की बजाय आम आदमी पार्टी है। इसलिए उसने अपना सारा ध यान आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार और उसके खिलाफ रहा। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। जनता ने माना कि केजरीवाल का भी यह भी एक बहाना है, उस वायदे को ढकने के बहाना है, जिसके तहत उन्होंने यमुना को पांच साल में साफ करने और उसमें नहाने का वादा किया था। दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

प्रेम के बदलते रूप

—क्षमा शर्मा—

नब्बे के दशक में जब वैलेंटाइन डे अपने देश में पहुंचा तब एक प्रकार का शोर हर जगह उठा। बहुत से लोग उसका विरोध करने लगे। कहा जाने लगा कि प्रेम का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन उचित नहीं है। वैलेंटाइन क्यों, डांडिया रास क्यों नहीं। यह भी बताया जाने लगा कि अपने देश में तो प्रेम सदियों से रहा है, अब अलग से वैलेंटाइन जैसे नए दिन की क्या जरूरत है। साहित्य की बातें की जाने लगीं। नख–शिख वर्णन और नायिका भेद के उदाहरण दिए जाने लगे। ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय की बातें की जाने लगीं। पुराने जामाने के प्रेम के गानों जैसे कि ‘तुम मुझे न चाहो तो कोई बात नहीं, मेरी बात और है मैंने तो मोहब्बत की है’ के बारे में बताया जाने लगा। शरतचंद्र के उपन्यास देवदास के उद्धरण देखने को मिलने लगे। देवदास फिल्म की बातें होने लगीं। लेकिन वक्त के साथ यह विरोध हवा में विलीन हो गया। अब कोई वैलेंटाइन का विरोध करते नहीं दिखता। यह भी कि अब वैलेंटाइन का शोर भी कम हो चला है।

आज तो प्रेम की सबसे ज्यादा बातें डेटिंग एप्स और वेबसाइट्स के जरिये हो रही हैं। इनके अनुसार प्रेम की वे अवधारणाएं पुरानी पड़ गईं जिनमें कहा जाता था कि प्रेम तो बस एक ही बार किया जाता है। बल्कि कहा तो यह जाने लगा है कि प्रेम शादी के बाद नहीं रहता। इसलिए हर बार उसे नए सिरे से खोजना पड़ता है। अब वियोग या विप्रलम्भ के दिन नहीं बचे हैं। जब मर्जी आए प्रेम कीजिए। शादीशुदा हैं या गैर शादीशुदा, प्रेम के दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। लोककथाओं में ऐसी कहानियां आती हैं न कि किसी राजकुमार ने एक सुनहरा बाल नदी में बहते देखा और सोच लिया कि जिसका बाल इतना सुंदर है, वह खुद कितनी सुंदर होगी और उसे ढूंढ़ने निकल पड़ा, ऐसी सोच के दिन गए। ‘भरे भौन में करत हैं नैनन ही सौं बात’ को कोई पूछने वाला नहीं रहा। अब तो प्रेम में दो नए शब्दों का बोलबाला है–सिचुएशनशिप और नैनोशिप यानि कि प्रेम किसी सिचुएशन में जन्मा और खत्म हुआ या कि एक मुस्कराहट या मीठा बोलना भर प्रेम का प्रतीक है। एक समय में प्रेम पत्र खूब लिखे जाते थे, लेकिन अब कौन है जो प्रेम पत्र लिखता होगा। उनका इंतजार करता होगा। जीवन से चिट्ठियां ही गायब हो गई हैं।

कई साल पहले यह खबर आई थी कि इटली में एक ऐसा स्कूल खुला है, जिसमें प्रेम पत्र लिखना सिखाया जा रहा है। इस स्कूल का मुख्य उद्देश्य बताया गया था कि युवा यह भूल गए हैं कि अपने प्रेम को लिखकर कैसे अभिव्यक्त किया जाए, इसलिए यह स्कूल खोला जा रहा है। गुलाम अली की गायी वह गजल तो सुनी होगी कि ‘तुम्हारे खत में वो इक नया सलाम किसका था।’ लेकिन सलाम का पता तो तब चलेगा, जब कोई खत लिखेगा। आज तो पोस्ट ऑफिस अपने दुर्दिनों पर रो रहे हैं। लैटर बाक्स खाली पड़े हैं। डाकिए दिखाई नहीं देते। क्योंकि अब पत्र तो मेल , मैसेज में सिमट चुके हैं। मध्य वर्ग की युवा पीढ़ी के बारे में कहा जाता है कि वह पढ़ाई और अपने कैरियर में इतनी व्यस्त है कि उसे रिलेशनशिप और संबंधों के लिए वक्त ही नहीं है। ऐसे में प्रेम की बात कौन करे। प्रेम सहना और एक–दूसरे की बात सुनना भी सिखाता था, लेकिन अब किसके पास इतनी फुरसत है कि चांदनी रात में छत पर लेटे हुए, वह अपने किसी प्रिय के बारे में सोचे। इसलिए आज अगर रिलेशनशिप में हैं भी, तो कल सिंगल हैं।

वैसे की प्रेम की कितनी भी दुहाई देते रहें, आज भी अपने देश में तो प्रेम एक टैबू की तरह है। इस अपराध ा में न केवल लड़के–लड़कियों बल्कि उनके परिवार वालों की गर्दनें तक उड़ा दी जाती हैं। अपनी पीढ़ी में वे दिन भी याद हैं कि जब सिर्फ किसी की तरफ देखने के अपराध में लड़कियों का घर से बाहर निकलना बंद कर दिया जाता था। उनकी पढ़ाई छुड़वा दी जाती थी। यही नहीं कुछ लफंगे, लड़कियां जहां पढ़ती थीं, उन स्कूलों में गुमनाम प्रेम पत्र नमक–मिर्च लगाकर लिखते थे। और फिर भरी प्रार्थना सभा में वे पत्र पढ़े जाते थे। लड़की को तरह–तरह से लानतें भेजी जाती थीं। उसके घर वालों को स्कूल में बुलाकर शिकायत की जाती थी। कई बार तो लड़की को बदनामी के डर से स्कूल से निकाल दिया जाता था। अगर लड़की ने किसी को पत्र लिख दिया और वह उस लड़के ने किसी और को दिखा दिया, तो लड़की की शामत आ जाती थी। ब्लैक मेलर्स की फौज इकट्ठी हो जाती थी। लड़की की कहीं शादी भी तय हो, तो वहां तक जा पहुंचते थे और शादी टूट जाती थी। प्रेम करने से बड़ा अपराध कोई नहीं था। कहने को यह था कि ढाई आखर प्रेम का पढ़े, सो पंडित होय।

घर छोड़ के मत जाओ ...!

—तनवीर जाफरी—

अपने व अपने परिवार के लिये जीविकोपार्जन की तलाश में बाहर निकलना अथवा अप्रवासी बनना प्रकृ ति का बनाया एक ऐसा चक्र है जिससे पृथ्वी का शायद कोई भी प्राणी अछूता नहीं। रोजी रोटी की तलाश में सभी प्राणियों को अपने अपने घरों से निकलकर बाहर जाना ही होता है। चूँकि प्रकृति ने मानव को अतिरिक्त सोच बुद्धि व योग्यता से नवाजा है इसलिये वह अपने अप्रवासन का रास्ता अपनी आर्थिक हैसियत,अपनी भविष्य की मनोकमनायें,कमाई का स्तर सुविध ाजनक राज्य,देश व ठिकाने आदि बहुत कुछ देखकर तय करता है। गत पांच दशकों से अमेरिका,कनाडा व ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भारत के अप्रवासियों के लिये आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। रोजगार के अतिरिक्त भारतीय मुद्रा के मुकाबले डॉलर्स की कीमतों में भारी अंतर,सुरक्षित,साफ सुथरा,वातावरण, शुद्धता, ईमानदारी, भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण,सामाजिक सुरक्षा,बच्चों की शिक्षा व बुजुर्गों की सुरक्षा जैसी अनेक बातें भारतीयों को इन देशों में आने के लिये आकर्षित करती हैं।

अप्रवासन करने वालों में एक वर्ग जो उच्च शिक्षा प्राप्त वैज्ञानिक,शोधार्थी, इंजीनियर्स, डॉक्टर्स, स्पेस वैज्ञानिक आदि जैसे क्षेत्रों से जुड़ा होता है। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों के लिये तो लगभग पूरी दुनिया के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। दूसरा वर्ग शिक्षा हासिल करने की गरज से या शिक्षा हासिल करने के बहाने इन देशों में जाता है और वहीं का होकर रह जाता है। और तीसरा वर्ग पैसों के बल पर इन देशों में जाना चाहता है। और यही वर्ग आसानी से विदेश भेजने वाले एजेंटों के जाल में फंसकर कबूतरबाजी या डंकी रुट का शिकार हो जाता है। ऐसे कई लोग जहाँ संपन्न परिवारों के होते हैं वहीं अनेक ऐसे भी होते हैं जिन्होंने अपने घर का सोना,जमीन आदि बेचकर या गिरवी रखकर एजेंटों को मुंह मांगी रकम दी होती है। यहां उस वर्ग का उल्लेख करना भी बेहद जरूरी है जो सत्ता में या तो शीर्ष पदों पर है या जिसके ऊँचे रसूख हैं या फिर उच्चाधिकारी वर्ग यहाँ तक कि वह वर्ग भी जोकि देश के युवाओं को ‘मेक इन इण्डिया ’ और रोजगार मांगो मत बल्कि रोजगार दो,यहाँ तक कि शिक्षित लोगों के पकोड़ा बेचने को भी रोजगार मानता है ऐसे अनेक लोगों के बच्चे या तो विदेशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं या फिर वहां बड़े व्यवसाय कर रहे हैं। कई श्राष्ट्रभक्त महामनवों श की संतानें तो विदेशी नागरिकता तक लिये बैठी हैं।

बहरहाल, अतिवाद की ओर तेजी से बढ़ते विश्व में अमेरिका ने एक बार फिर अतिविवादित व्यक्ति डोनाल्ड ट्रंप को अपना राष्ट्रपति चुन लिया है। उनके आलोचक ट्रम्प को एक नस्लवादी, कट्टरपंथी तथा एक स्त्री–द्वेषी और एक विदूषक के रूप में देखते हैं। सच पूछिये तो ऐसे व्यक्ति का पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनने का विचार ही शांतिप्रिय दुनिया के लिये चिंता पैदा करने तथा दुनिया की नींद हराम करने के लिए पर्याप्त है। ट्रंप जहाँ कई देशों को अपनी शगिद्ध दृष्टिश से देख रहे हैं वहीं ट्रंप प्रशासन द्वारा ब्राजील, ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरास के लोगों को भी श्अवैध श बताकर अमेरिकी सैन्य विमान से ही उनके देश वापस भेजा गया है। भारत भी उन्हीं दुर्भाग्यशाली देशों में एक है जिसके श्अवैधश बताये जा रहे 104 अमेरिकी प्रवासी अमेरिकी मालवाहक सैन्य विमान में भरकर बड़ी ही अपमानजनक स्थिति में वापस भारत लाये जा चुके हैं। खबर यह भी है कि इसी तरह के 487 भारतीयों की एक और खेप अमेरिका किसी भी समय भारत वापस भेज सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय अमेरिका में लगभग 7. 25 लाख लोग ऐसे रह रहे हैं जिनको ‘अवैध प्रवासी’ के रूप में चिन्हित किया जा चुका है। इस तरह के लगभग 1700 ‘अवैध प्रवासी’ भारतीयों को अमेरिका में हिरासत में लेकर उन्हें डिटेंशन सेंटर में भी डाला जा चुका है।

वीजा, इमिग्रेशन, नागरिकता आदि देने या इनसे सम्बंधित कानून बनाने का हर देश का अपना अधिकार है। परन्तु ट्रंप की वापसी के बाद जिस अपमानजनक तरीके से भारतीय युवाओं को निकला जा रहा है और सरकार द्वारा उसपर लीपा पोती की जा रही है और भारतीय युवाओं के अपमान को लेकर कोई शिकायत अमेरिका के समक्ष दर्ज नहीं कराई जा रही है उसे लेकर भारतीय युवाओं में निराशा जरूर है। खासतौर से इस बात के मद्दे नजर कि प्रधान मंत्री मोदी अपने को ट्रंप का दोस्त बताते हैं। यहाँ तक कि उनके पिछले चुनाव में अमेरिका जाकर श्अबकी बार ट्रंप सरकार ’ का नारा भी लगवाते हैं ? ऐसे में यह सवाल उठना स्वभाविक है कि आखिर ट्रंप ने भी उस दोस्ती की लाज क्यों नहीं रखी? क्यों हमारे युवाओं के हाथों में हथकड़ी पैरों में बेड़ियाँ व जंजीरें मुंह पर मास्क आदि लगाकर सैन्य विमान में बिठाकर बड़ी ही कष्टदायक स्थिति में उन्हें भारत भेजा गया ? क्या वजह थी कि जिस तरह रूस–यूक्रेन जंग के कारण यूक्रेन से वापस आने वाले युवाओं के लिये ऑपरेशन गंगा चलाया गया था और मंत्रियों द्वारा विमान में घुसकर उनका स्वागत किया गया था उसी तरह भारत अपने विमान भेजकर उन तथाकथित ‘अवैध अप्रवासियों’ को वापस क्यों नहीं बुलाता ? खासकर यह सवाल इसलिये और भी पूछा जा रहा है कि जब कोलंबिया के कथित अवैध प्रवासियों को अमेरिकी सैन्य विमान द्वारा कोलंबिया वापस भेजने की घोषणा की गई तो कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेड्रो द्वारा इसका सख्त विरोध किया गया।

मदनी मस्जिद के नाम पर कब्जाई सरकारी जमीन प्रशासन ने खाली कराई

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर में बुलडोजर ऐक्शन हुआ है। लंबे विवाद और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद प्रशासन ने मदनी मस्जिद के नाम पर कब्जाई जमीन खाली करानी शुरू की है। मौके पर छह बुलडोजर पहुंचे। भारी सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की तैनाती के बीच अवैध निर्माण को जमींदोज किया जा रहा है। इस मामले में पिछले साल 18 दिसम्बर से जांच चल रही थी। प्रशासन का कहना है कि इस मामले में पक्षकारों को तीन बार नोटिस जारी किया गया लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का ऐक्शन लिया जा रहा है। हाटा नगर के नगर के वार्ड नंबर 21 गांधी नगर में नगरपालिका कार्यालय के पीछे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर यह अवैध निर्माण किया गया था। रविवार को एसडीएम हाटा योगेश्वर सिंह, सीओ कसया कुंदन सिंह, ईओ हाटा मीनू सिंह की देखरेख में दोपहर से बुलडोजर ऐक्शन शुरू हुआ। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद के नाम से कोई जमीन नहीं है। उनके पक्षकार के नाम 15 डिस्मिल जमीन है। बाकी 23 एअर नगरपालिका की जमीन पर अतिक्रमण कर मस्जिद के नाम पर अवैध निर्माण कराया जा रहा था। अधिकारियों का कहना है कि नगरपालिका द्वारा बार—बार मना करने यहां तक कि तीन नोटिस देने के बाद भी पक्षकार ने अवैध कब्जे को नहीं हटाया। एसडीएम योगेश्वर सिंह का कहना है कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर यह बेदखली की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, ईओ मीनू सिंह ने बताया कि जिस निर्माण के खिलाफ ऐक्शन लिया गया है उसका नक्शा पास नहीं है। कार्रवाई के दौरान कोतवाल सुशील कुमार शुक्ल के अलावा भारी संख्या में पुलिस बल और पीएसी मौजूद रही। पूरे हाटा नगर में पुलिस अलर्ट पर है। बुलडोजर ऐक्शन के दौरान चप्पे—चप्पे पर फोर्स मुस्तैद रही। पिछले साल दिसम्बर महीने की 17 तारीख को हिंदूवादी नेता रामबचन सिंह ने सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि हाटा में मस्जिद बनाने के नाम पर कब्जे की जमीन पर अवैध निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने निर्माण में हुई फंडिंग पर भी सवाल उठाया था। इसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया। 5 दिन की जांच—पड़ताल के बाद अपनी जिला प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी इसी आधार पर नगरपालिका प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की। नगर पालिका ने मस्जिद प्रबंधन को नक्शा और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तीन बार नोटिस जारी किया था। लेकिन पक्षकारों की ओर से तय समय में कागजात न प्रस्तुत करने पर नगर पालिका ने इसे अवैध निर्माण मानते हुए कार्रवाई का फैसला लिया। इसके बाद पक्षकारों ने हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट से इस पर 8 फरवरी तक का स्टे मिला था। 9 फरवरी को स्टे की मियाद खत्म होते ही प्रशासन ने अवैध निर्माण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। प्रशासन का कहना है कि सिर्फ अवैध निर्माण पर ऐक्शन लिया गया है।

बाइक सवार किशोर को बस ने रौंदा, मौके पर ही हो गई मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। दीवानी गेट के सामने स्थित होटल पर काम कर रहा एक किशोर रविवार एक ग्राहक की बाइक से खैरी मोड़ सैंपू लेने जा रहा था। जैसे ही वह खैरी मोड़ के निकट पहुंचा तभी सामने आ रही तेज रफ्तार बस के कारण किशोर बाइक से नियंत्रण खो बैठा। इस दौरान बगल में लगे गिट्टी के ढेर के कारण वह अनियंत्रित हो पलट गया जिसे बस ने रौंद दिया। घटना में बाइक सवार किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर बस को कब्जे में ले लिया है। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम हिताई नगर निवासी मौजीराम (16) पुत्र चेतराम दीवानी न्यायालय गेट नंबर दो के सामने स्थित यदुवंशी होटल में काम करता था। रविवार दोपहर करीब दो बजे वह सैंपू लेने के लिए दुकान आए एक ठेकेदार की बाइक लेकर खैरी मोड़ जा रहा था। इस दौरान बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। जैसे ही मौजीराम खैरी मोड़ स्थित उपवन ढाबा के सामने पहुंचा। तभी भिनगा से सवारी लेकर बहराइच जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस को देख मौजीराम बाइक से नियंत्रण खो बैठा। इससे बाइक मार्ग की पटरी पर लगी गिट्टी के ढेर पर चढ़ कर अनियंत्रित हो पलट गई तभी अचानक पहुंची बस ने उसे रौंद दिया। घटना में मौजी राम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे से पहुंचे सिविल लाइन चौकी प्रभारी अजय कुमार सिंह ने एंबुलेंस को फोन किया लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस के न आने पर शव को ई रिक्शा से मर्चरी हाउस भेजवाया। वहीं पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया जिसे भिनगा कोतवाली ले जाया गया है। खैरी मोड़ पर रविवार हुई मौजीराम की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ जहां नगर में ही होटल पर किशोर के काम करने का खुलासा हुआ। वहीं दूसरी तरफ प्रतिबंध के बाद भी किशोर को बाइक देने का मामला भी उजागर हुआ। इन दोनों कारणों ने जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया है। लोगों का कहना था कि यदि किशोर को न मिलती बाइक तो यह घटना न घटित होती।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत, रास्ता जाम

संवाददाता—देवरिया। मझौलीराज में एक युवक की रविवार को करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने धुसा टोला सरदार पटेल नगर वार्ड के समीप मझौलीराज—सलेमपुर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। ये जेई पर लापरवाही की आरोप लगा रहे थे। कोतवाली क्षेत्र के सरदार पटेल नगर वार्ड तीन मझौलीराज धुसा टोला निवासी अमित कुमार (18) पुत्र कमलेश उर्फ रामाश्रय रविवार को घर की सफाई कर रहे थे। उसी दौरान मेन बिजली बोर्ड से घर में करंट उतर जाने से झुलस गए। परिजन उसे सीएचसी लाएं, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद करीब सौ की संख्या में महिलाएं एवं लोग वार्ड के सलेमपुर—मझौलीराज मुख्य मार्ग पर करीब 12 बजे जाम लगा दिया। ये लोग बिजली विभाग के जेई एवं कर्मचारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे थे। इनका कहना था कि शनिवार को घर की बिजली की कनेक्शन का फेज काट कर अर्थ वैसे ही छोड़ देने से घर में करंट उतरने से अमित की मौत हुई है। सूचना पर मौके पर भटनी, भाटपार रानी, श्रीराम पुर, खुखुन्दू, लार व सलेमपुर की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच कर मुस्तैद है।

सीओ दीपक शुक्ल एवं तहसीलदार अलका सिंह मौके पर पहुंच कर परिजन को समझा रहे है। लेकिन परिजन अपने मांग पर अड़े रहे।

न्याय की कीमत 55 हजार, रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद हुए तहसीलदार

संवाददाता—गोण्डा। तरबगंज तहसील के न्यायिक तहसीलदार अनीश सिंह का रिश्वत लेते हुए वीडियो सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स और जानकारी के अनुसार ये वीडियो दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। जमीन विवाद से जुड़े मामले में न्याय के बदले न्यायिक तहसीलदार ने पैसे की डिमांड की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार न्यायिक तहसीलदार अनीश सिंह के समाने जमीन विवाद से जुड़ा एक मामला सामने आया था। दबंगों ने जालसाजी करके फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उसकी जमीन हड़प ली। पीड़ित ने न्याय पाने के लिए तहसीलदार से मदद मांगी, लेकिन उसे न्याय के बदले रिश्वत देने की आवश्यकता पड़ी। वीडियो में दिखाई दे रही रिश्वत, तीसरी किश्त के रूप में दी जा रही है। पीड़ित के अनुसार न्यायिक तहसीलदार ने मामले का निपटारा करने के एवज में 1 लाख रुपये की डिमाडं की

थी। 55 हजार में डील डन हुआ था। तीन किस्तों में पैसे देने की बात हुई थी। वीडियो में तीसरी किश्त 15 हजार रुपये दी जा रही है। ये पैसा लेते हुए न्यायिक तहसीलदार कैमरे में कैद हो गए हैं। वीडियो में सामने आया है कि न्यायिक तहसीलदार अनीश सिंह अपनी गाडी में बैठकर पैसे ले रहे हैं। पीड़ित उनसे न्याय की गुहार लगा रहा है। इससे पहले भी तरबगंज तहसील में कई बार भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो चुके हैं। इस बार वीडियो वायरल होने के कारण मामला गरमा गया है। पीड़ित की शिकायत पर प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी हो रही है। वीडियो सामने आने के बाद गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने अधिकारियों को मामले की जांच कर जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

निर्माणाधीन मकान में फंदे से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता—देवरिया। जिले के गौरीबाजार के सिरसिया नं. 3 में निर्माणाधीन मकान में एक युवक का शव मिलने पर रविवार की सुबह सनसनी मच गई। जमीन पर पड़े युवक का गला फटे पैंट के फंदे से कसा था। वहीं शव के आसपास खून के छींटे पड़े थे। परिवार के लोगों ने हत्या की आशंका जताया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में जुटी है। गौरीबाजार के सिरसिया नं. 3 में रविवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर निर्माणाधीन मकान में एक युवक का खून से लतपथ शव देखा तो शोर मचाया। युवक का शव जमीन पर पड़ा था। उसका गला फटे पैंट से कसा था और पैंट के दूसरे छोर को मकान के बीम होल के ईंट से बांधा गया था। आसपास खून के छिंटे पड़े थे।

शोर सुनक पहुंचे ग्रामीणों ने शव की पहचान शिवम पांडेय (18) पुत्र चंद्रभूषण पांडेय के रुप में किया। मौके पर पहुंचे मृतक परिवार के लोग दहाड़े मार कर रोने लगे। सूचना पाकर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने में जुटी है। मृतक के परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई है। बताया जाता है कि पुलिस ने पूछताछ के कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

परिवार के लोगों का आरोप है कि शनिवार शाम खेल—खेल में मृतक युवक का गांव के कुछ बच्चों के बीच विवाद हुआ था। सूचना मिलने पर यूपी डायल पुलिस पहुंची थी। कुछ देर बाद पुलिस वापस चली गई। मृतक के परिवार के लोगों ने हत्या की आशंका जताया है।

क्रॉस कंट्री रेस में गोरखपुर के रंजीत बने विजेता

संवाददाता—महराजगंज। श्री श्री 1008 श्री पौहारी महाराज राज्य स्तरीय क्रास कंट्री 10 किमी रेस प्रतियोगिता रविवार को पैकौली में आयोजित हुई। इसमें गोरखपुर के रंजीत कुमार पटेल प्रथम, बनारस के चन्दन राजभर दूसरे और कानपुर के पंकज यादव तीसरे स्थान पर आए। रेस पौहारी महाराज कुटी से प्रारंभ होकर कतरारी चौराहे से वापस पैकौली कुटी पर पहुंची। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ब्रिकेश कुमार सिंह आईआरएस ने हरी झंडी दिखाकर किया। रेस में प्रदेश के विभिन्न जगहों से आए सौ से अधिक धावकों ने भाग लिया।

नगर पंचायत चौक में आयोजित हुआ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता—महराजगंज। गुरु गोरक्षनाथ महाविद्यालय चौक में संघ के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार को किया गया।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों अपने स्वास्थ्य का जांच कराने पहुंचे थे। इस दौरान डिप्टी सीएमओ डॉक्टर राकेश कुमार,डॉक्टर वीरेंद्र आर्या ने मेले का निरीक्षण किया।

तेंदुए, बाघ के साथ आक्रामक हो रहे जंगली सूकर

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुरम्य जंगल इलाके से सटे गांवों में आए दिन, तेंदए, बाघ के हमले हो रहे हैं। जंगली हाथियों का भी उत्त्पात कोई नई घटना नहीं। अब तो जंगली सकूर भी हमलावर हो रहे है। जिससे मानव व वन्यजीव पर खतरा बन रहा है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के जंगल में बाघ, तेंदुआ, हाथी, हिरण, बारह सिंघा बंदर आदि वन्यजीवों का प्राकृतिक प्रवास है। तो गेरूआ नदी में डाल्फिन, मगरमच्छ, जल मुर्गी, विभिन्न प्रजाति की मछलियों का बसेरा है। मोर, विभिन्न प्रकार की दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों का कलरव ईको टूरिज्म के प्रेमियों को लुभाता है। इस ईको पर्यटन के स्थल को पूर्व में विकसित व समृद्ध करने को तब यहां डीएफओ रहे रमेश पांडेय को लोग हमेशा याद रखेंगे। इसी विशाल सघन वन्य इलाके के जंगल से सटे गांवों में निवास करने वाले ग्रामीण आए दिन तेंदुआ, बाघ के बढ़ते कुनबे से भटक कर गांवों में पहुंचते है। तो हमलावर हो उठते है। जब बाघ, तेंदुए, हाथी या अन्य वन्यजीव के हमले से घायल या मौत का शिकार होता है। तब मानव वन्यजीव के सह अस्तित्व की दीवार दरकने लगती है। हालांकि तमाम घटनाओं की वजह जंगल में घुसपैठ की भी होती है। बेशकीमती वन्य जीव के शिकार की फिराक में भारतीय वन्यजीव शिकारी ही नही नेपाली वन्यजीव शिकारी भी रहते है। पूर्व में इनसे सुरक्षा को जंगल के किनारे काफी इलाके में तार की फेंसिग भी कराई गई है। कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष भगवान दास लखमानी का मानना है कि वन एवं उसमें रहने वाले वन्य जीव व जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीण सुरक्षित रहें। मानव वन्य जीव संघर्ष की घटनाएं न हों। जंगल बचाने के लिए विभाग को ग्रामीणों से सैक्चुरी के नियमों का पालन कराना होगा। जिसके अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण बात है कि सैंक्चुरी में ग्रामीणों के लिए 6 सेंटी मीटर से मोटी लकड़ी उठाना पूर्णतया प्रतिबंधित है। लखमानी का कहना है कि जंगल के निकटवर्ती लोगों की ओर से मवेशी चराने, लकड़ी बटोरने एवं शौच करने के लिए जंगल के भीतरी भागों में प्रवेश करना आदि को रोकने विभाग को स्वयं सेवी संस्थाओं को विश्वास में लेकर ग्रामीणों को जागरूक करना चाहिए। ये बात समझानी होगी कि ग्रामीण जंगल से थोड़ी दूरी छोड़कर ही गन्ना बोएं। वी शिवशंकर, डीएफओ, कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग ने कहा कि वन्यजीव के हमले पर तत्काल घायल को राहत के लिए वन महकमे की टीम भेजी जाती है। वन महकमे की टीम लगातार गश्त करती है। जहां वन्यजीव गांव के आसपास मूवमेंट करते है। वहां पिंजरा लगाया जाता है। जरूरी एहतियात बरती जा रही है। लोगों को सजग भी किया जाता है।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी दबोचे गए

संवाददाता—गोण्डा। रूपईडीहा थाने की पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने भारत नेपाल की सरहद पर एक तस्कर को धर दबोचा है। उसके पास से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद की गई है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 50 लाख आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी को गहन पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

रूपईडीहा ध्वाबागंज संवाद के अनुसार एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि रूपईडीहा एसएचओ दद्दन सिंह, दरोगा विजय कुमार, मुख्य सिपाही स्वतंत्र विक्रम सिंह, एसएसबी की 42 वीं बटालियन की रूपईडीहा बार्डर आउट पोस्ट के सत्येन्द्र कुमार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक विप्लव कुमार घोष व टीम, डाग रैको व उसके हेंडलर मोहम्मद फारूख ने सरहद पर गश्त के दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से एक सौ ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। जिसकी अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 50 लाख आंकी गई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान इसी थाने के घसियारन मोहल्ले निवासी विजय केवट के रूप में हुई। गहन पूछताछ के बाद आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

महाकुम्भ में लापता युवक 14 दिन बाद सकुशल घर लौटा

संवाददाता—गोण्डा। महाकुम्भ मे लापता हुआ युवक चौदह दिन बाद घर सकुशल पहुंचा। इससे परिजनों ने राहत की सांस ली है। कोतवाली इटियाथोक के तेलियानी कानूनगो के ककरहवा के राजेश (40) पुत्र संतराम अपनी पत्नी श्रीदेवी के साथ ससुराल रंजीतनगर थाना खरगूपुर गये थे। वहीं से राजेश 27 जनवरी की रात निजी बस से 62 लोगों के साथ प्रयागराज के लिए निकला था।

महराजगंज के दो शिक्षकों को मिला राज्यस्तरीय पुरस्कार

संवाददाता—महराजगंज। बेसिक शिक्षा विभाग के महराजगंज के परिषदीय विद्यालय के दो शिक्षकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा गया है। पंचम स्तरीय राज्य स्तरीय कला क्राफ्ट एवं पेपेट्री प्रतियोगिता में प्रदेश भर में बेहतर प्रदर्शन करने पर लखनऊ के राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद में आयोजित कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षक सुधीर त्रिपाठी कम्पोजिट विद्यालय बरवा खुर्द घुघली व अरविंद विश्वकर्मा कम्पोजिट विद्यालय बंजारी पट्टी गिरहिया निचलौल में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत हैं। सुधीर का चयन जूनियर स्तर पर समाजिक विषय व अरविंद विश्वकर्मा का चयन जूनियर स्तर गणित विषय पर हुआ है। पुरस्कार पाने के बाद सुधीर

त्रिपाठी ने बताया कि उनके द्वारा बनाया गया मॉडल थ्री डी तकनीक और संवर्धित वास्तविकता एआर पर आधारित था। इसके माध्यम से नेटवर्क व बिजली की समस्या वाले सुदूर इलाकों में भी बेहतर शिक्षा दिया जा सकता है। अरविंद विश्वकर्मा ने बताया कि उनका टीएलएम गणित शिक्षण में बीज गणितीय सर्व समीकाओं का ज्यामितीय सत्यापन से संबंधित था जो ज्यामितीय पक्ष समझाने में सहायता करता है।

दोनों शिक्षकों के इस बड़ी उपलब्धि पर बीएसए प्रदीप कुमार शर्मा, डायट प्राचार्य अभिजीत सिंह, बीईओ सीबी पांडेय, आनंद मिश्रा, मनीष प्रजापति, राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक धन्नू चौहान, भूपेंद्र सिंह, कृष्ण मद्धेशिया, कीर्ति त्रिपाठी आदि ने बधाई दी है।

सक्रिय अपराधियों का दर्ज करें विवरण -एसपी

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस लाइन सभागार में रविवार को अपराध गोष्ठी व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने प्रतिसार निरीक्षक व थाना प्रभारियों को पुलिस कर्मियों के आवासीय परिसरों और बैरकों में साफ—सफाई, बिजली—पानी की उचित व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। बीट प्रणाली पर जोर देते हुए निर्देशित किया कि बीट क्षेत्र किसी भी परिस्थिति में खाली न रहे। बीट बुक में सक्रिय अपराधियों का विवरण दर्ज कर उनकी नियमित निगरानी की जाए। आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों को अधिकारी घटनास्थल पर जाकर समय से निस्तारित करें। इस दौरान सभी थाना प्रभारियों की ओर से सीएम डैश बोर्ड के 49 बिंदुओं पर आठ मिनट का प्रेजेंटेशन दिया गया। जिससे सीएम डैश बोर्ड की स्थिति, पेंडिंग, निस्तारण के बारे में समीक्षा की गई। आगामी दिनों व त्योहारों के दृष्टिगत बाजार, पार्क व भीड़—भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए महिला सुरक्षा के लिए समस्त थाना क्षेत्रों की एंटी रोमियो टीम को अपने—अपने बीट क्षेत्रों में भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान विभिन्न अपराधों में सजा कराने में योगदान देने वाले अपर जिला शासकीय अधिवक्ता पंकज देव गुप्ता, केपी सिंह व कोर्ट मोहर्रिर मुख्य आरक्षी विष्णु सिंह, एकता पाण्डेय, पैरोकार सोनवा आरक्षी मो. शादाब को सम्मानित किया गया। इसी तरह 95 लाख की ठगी व फर्जी आधार कार्ड खुलासे में उत्कृष्ट योगदान पर एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव, मुख्य आरक्षी अवनीश विक्रम सिंह, आरक्षी वीरेंद्र यादव, आरक्षी अभिषेक सिंह, आरक्षी रिषभ गौड़, अभिषेक सिंह, चरन सिंह को भी सम्मानित किया गया। सभी थानों के पांच—पांच वरिष्ठ चौकीदारों समेत 40 लोगों को साइकिल व टार्च का वितरण किया गया।

सैकड़ो वर्ष प्राचीन मंदिर में भी पैदा हो गया विवाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या में मंदिरों में विवाद का पुराना नाता है जो राम मंदिर का फैसला आने के बाद और बढ़ गया है क्योंकि जमीनों की कीमत लगभग 10 गुना अधिक हो गई है लोग चाह रहे हैं की कैसे मंदिर को अपने कब्जे में लिया जाए। ताजा मामला स्वर्गद्वार राम पैड़ी पर स्थित प्राचीन सरयू राम मंदिर का है जिसको लगभग 1735 में राजे रघुजी महाराज भोंसले प्रथम नागपुर ने बनवाया था और आज तक यह उन्हीं के देखरेख में बने भोंसले देवोत्थान ट्रस्ट द्वारा रामटेक नागपुर अयोध्या, वाराणसी प्रयागराज सहित पूरे देश में 28 मंदिर हैं जिनका संचालन करती है। अयोध्या में सरयू राम मंदिर राम की पैड़ी पर स्थित है, जिसकी देखरेख वर्तमान में सुमन पाठक कर रही हैं और राजे रघुजी राव भोंसले पंचम ने नियुक्त किया है। अयोध्या धाम पहुंचे राजे रघुजी राव भोंसले पंचम ने बताया कि अयोध्या में मंदिर में पूजा पाठ और मंदिर का देख—रेख वर्तमान प्रबंधक महंत सुमन पाठक कर रही हैं यह पांचवीं पीढ़ी हैं पांच पीढ़ियों से मंदिर की देखरेख इन्हीं का परिवार

कर रहा है वर्तमान में कुछ विवाद पैदा हो गया है जिसका हमारे ट्रस्ट के वकील प्रदीप देशमुख द्वारा किया जा रहा है।

सरयू मंदिर की महंत सुमन पाठक ने बताया कि पांच पीढ़ियों मंदिर का संरक्षण हम लोग कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग जब हम लोग मंदिर में पूजा पाठ करने जाते हैं तो गाली गलौज देते हैं कूट रचित दस्तावेज से फर्जी रजिस्ट्री करा लिए हैं जिसका मुकदमा न्यायालय में चल रहा है और हमारी यही दरखास्त है कि जैसे हम मंदिर में पांच पीढ़ियों से पूजा कर रहे हैं वैसे ही शांतिपूर्वक हमें करने दिया जाए। उन्होंने बताया कि मंदिर की पूजा रोक नहीं जा सकती इसलिए उन लोगों से बच, बचा करके हम लोग ठाकुर जी की सेवा कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि नागपुर से मंदिर के मुख्य ओनर राजे रघुजी राव भोंसले अयोध्या आये उनसे भी उन लोगों ने अभद्रता की। उन्होंने कहा कि हम लोगों का मंदिर का संरक्षण कर रहे हैं क्योंकि यह मंदिर अयोध्या की एक प्राचीन संपत्ति है और इसीलिए राजे पंचम ने अयोध्या पहुंचकर संपत्ति के संरक्षण की बात कही।

पैदल गश्त कर एसएसबी ने वाहनों की जांच की

संवाददाता—बलरामपुर। नेपाल सीमावर्ती थानों की पुलिस व एसएसबी ने संयुक्त रूप से सीमा क्षेत्र में रविवार को पैदल गश्त किया। इस दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच की गई एवं सीमा से सटे गांव के लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इंडो—नेपाल बार्डर पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। सीमा पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए समय—समय पर बार्डर से सटे गांवों की ग्राम सुरक्षा समिति व संभ्रान्त लोगों को मादक पदार्थों की तस्करी, मानव व गौ तस्करी, अवैध पेड़ कटान तथा अन्य संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए जागरूक किया जा रहा है। किसी संदिग्ध गतिविधि व व्यक्ति की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील लोगों से की जा रही है। पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने रविवार को पैदल गश्त के दौरान नेपाल सीमा से सटे गांवों का भ्रमण कर आम जनमानस को सुरक्षा का एहसास दिलाया।

सत्य मार्ग पर चलने से होती है प्रभु की प्राप्ति -संत मनु

संवाददाता—महराजगंज। क्षेत्र निवासी व श्री हरि व मां पीतांबरा के संत मनु का रविवार को फरेंदा कस्बे में आगमन हुआ। जहां स्थानीय लोगों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। संत मनु अपने पैतृक निवास सेखुई जाकर मां से भिक्षा व आशीर्वाद प्राप्त किया।

फरेंदा क्षेत्र के सेखुई निवासी संत मनु अपनी 18 वर्ष की साधना पूरा करने के बाद अंतिम चरण में अपने माता से आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे। वह फरेंदा पहुंचने के बाद अपने गांव जाकर मां से भिक्षा लेने के बाद मां लेहड़ा दुर्गा मंदिर, गोपलापुर शिव मंदिर, कस्बे के विष्णु मंदिर में जाकर पूजन—अर्चन किया। उसके बाद एक मैरिज हाल में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उनके साथ दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात सहित अन्य प्रदेशों के अनुयायी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में संत मनु ने कहा कि सत्य मार्ग पर चलकर ही प्रभु की प्राप्ति की जा सकती है। हमेशा सत्य के मार्ग पर चलते रहे। जीवन में कई प्रकार की कठिनाई आती है उससे बचाव के लिए प्रभु का स्मरण करते रहे। भगवान विष्णु, शंकर व मां की अराधना करते रहे। सभी समस्याएं दूर होंगी। कस्बे में पहुंचने पर पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक जायसवाल, संजय जायसवाल, मुकेश सिन्हा व अनिल सिंह सहित कई लोगों ने स्वागत किया। इस दौरान डॉ. आलोक मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, अजय श्रीवास्तव, एसके गौड़, डॉ ज्योति सिंह, गोपाल बांगला, स्कंद श्रीवास्तव, देवीशरण दूबे, संतोष पांडेय मौजूद रहे।

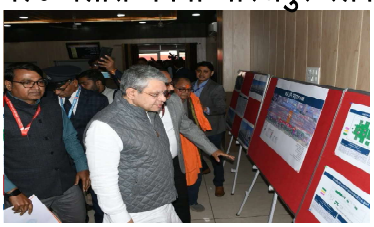

विरासत और संस्कृति को ध्यान रखकर हो काम, वर्ल्ड क्लास बनेगा गोरखपुर रेलवे स्टेशन–अश्विनी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि गोरखपुर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बनाने का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आह्वान है। इसकी समीक्षा की गई है। काम तेजी से चल रहा है। गोरखपुर स्टेशन का डिजाइन संस्कृति और विरासत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उसी अनुसार स्टेशन का निर्माण कराया जा रहा है। इस काम की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। रेलमंत्री ने रविवार को गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों के साथ बैठक में यह बात कही। इसके बाद वह स्पेशल ट्रेन से बेतिया के लिए रवाना हो गए।

रेलमंत्री रविवार को 11:45 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे। वहाँ से वह गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और ट्रांजिट एसी लाउंज में बैठक कर अधिकारियों से स्टेशन निर्माण सम्बंधी जानकारी ली। लाउंज का निरीक्षण किया और रेलवे के जीएम से उन्होंने रेलवे स्टेशन निर्माण के संबंध में एक एक बिंदु की गहनता से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि चर्चा में आया है गोरखपुर एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल बन रहा है। इस टर्मिनल को ध्यान में रखकर गोरखपुर और रेलवे स्टेशन के बीच नए स्टेशन बनाने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए एयरपोर्ट निदेशक और रेलवे की जीएम को निर्देश दिए गए कि वह बैठकर इसकी प्लानिंग कर लें। इसके बाद मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता की जाएगी।

मुख्यमंत्री के साथ वार्ता के बाद जो सुविधाजनक होगा उसके अनुसार स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। रेलवे स्टेशन पर ट्रेड यूनियन ने रेलमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान एनई रेलवे मेंस कांग्रेस कारखाना मंडल के संरक्षक शंभू नाथ सिंह बिशेन के नेतृत्व में मंडल मंत्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, केंद्रीय नेता प्राण शाही अध्यक्ष अनिल निषाद, विनय यादव आदि मौजूद रहे। मंडल मंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने कर्मचारी एवं रेल हित के संबंध में 12 सूत्रीय ज्ञापन दिया।

हुक्का बार में गैंगरेप वांटेंड रेशमा गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। एसपी सिटी अभिनव त्यागी के निर्देश में पुलिस ने हुक्का बार और देह व्यापार के धंधे पर पिछले दिनों बड़ी कार्रवाई की थी। मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर इस पुरे रैकेट को तोड़ा था। इसी मामले में रेशमा एक महीने से फरार चल रही थी। रविवार को पुलिस ने रेशमा को गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने फरार चल रही रेशमा को गिरफ्तार किया है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी के निर्देशन में हुक्का बार और देह व्यापार के धंधे की जांच करवाई गई। इसी आधार पर पुलिस ने एक साथ शहर के कई इलाकों में छापा मारकर आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

दो जनवरी को रामगढ़ताल थाने में किशोरी ने सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। इस केस में अनिरुद्ध ओझा समेत अन्य आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए थे। लेकिन, लंबे रेशमा एक महीने तक पुलिस को चकमा देती रही। पुलिस रेशमा की तलाश में महराजगंज(नेपाल सीमा) और प्रयागराज में तलाश कर रही थी। इसी बीच दो मुखबिर की सूचना पर गोरखपुर से ही पुलिस ने रेशमा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि रेशमा जेनिस बॉटल रेस्टोरेंट के हुक्का बार में लड़कियों को फंसाकर ले जाती थी। उन्हें प्रलोभन देकर नशे और देह व्यापार के लिए मजबूर करती थी।

ट्रैक्टर–ट्रॉली लूटने वाले गिरोह से पुलिस की मुठभेड़, सरगना सहित चार बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शनिवार की रात पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गिरोह का सरगना गोली लगने से जख्मी हो गया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर चार लुटेरों को गिरफ्तार किया। इनके पास से तीन दिन पूर्व किसान से लूटी गई ट्रैक्टर–ट्रॉली, अवैध असलहा और घटना में इस्तेमाल की गई बाइकें बरामद हुईं। मौके से फरार एक अन्य लुटेरे की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

महरुआ थाना क्षेत्र के धानेतारा गांव निवासी किसान विजय वर्मा को बीते बृहस्पतिवार की रात चीनी मिल से गन्ना बेचकर लौटते समय अहिरौली थाना क्षेत्र में अकबरपुर–मिझौड़ा मार्ग पर दो बाइकों पर आए चार बदमाशों ने बंधक बना लिया था। लुटेरों ने किसान को बांधकर जंगल में फेंककर ट्रैक्टर ट्रॉली व मोबाइल लूटकर भाग निकले थे। एसपी केशव कुमार ने एएसपी पश्चिमी विशाल पांडेय के नेतृत्व में पांच टीमें गठित की थी। छानबीन

के दौरान शनिवार रात करीब 12 बजे पुलिस की अहिरौली थाना क्षेत्र के ग्राम नगहरा के पास लुटेरों से आमना–सामना हो गया। पुलिस को देखते ही लुटेरों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई।

पुलिस की ओर से जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें जनपद अयोध्या के थाना महाराजगंज क्षेत्र के ग्राम मोहर्रमपुर निवासी गैंग लीडर मुन्ना सिंह उर्फ श्रवण कुमार गोली लगने से जख्मी हो गया। इस दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर अयोध्या के महाराजगंज थाना क्षेत्र के रसड़ा गांव के कुलदीप सिंह, पूराकलंदर थाना क्षेत्र के चौबेपुर गांव का अंकित चौबे व थाना इनायतनगर के मजनाई पूरे निशा उपाध्याय का पूरा गांव के अभिषेक उपाध्याय को पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। मौके से पुलिस ने किसान से लूटी गई ट्रैक्टर ट्रॉली के अलावा तमंचा, कारतूस, खोखा एवं दो मोटर साइकिलें बरामद हुई हैं। घायल मुन्ना का का सीएचसी भीटी में प्राथमिक उपचार कराया गया। एएसपी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक लुटेरा भाग निकलने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश की जा रही है।

लोकतंत्र की हत्या हुई, चुनाव आयोग दिखा बेबस –अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने बड़े अंतर से जीत हासिल की। भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने सपा के अजीत प्रसाद को मात देकर मिल्कीपुर का ताज अपने नाम किया। सपा की हार के बाद फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में मतदान में गड़बड़ की गई है। सपा सांसद ने कहा कि यदि मिल्कीपुर में स्वतंत्र रूप से मतदान होता तो यहां इतिहास बन जाता। भाजपा के जनादेश को चश्मे से देखना पड़ता है। सपा उम्मीदवार अजीत प्रसाद लाखों वोटों से जीतते। लेकिन मिल्कीपुर में वोटों की जो चोरी हुई, वह लोकतंत्र की हत्या है। इसके बाद भी चुनाव आयोग बेबस दिखा। मैंने अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन में ऐसा पहली बार देखा है। मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की मतगणना के पहले रुझान में कमल खिलने लगा तो सपाइयों के चेहरे मुरझाने लगे थे। इस सीट पर भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने सपा के अजीत प्रसाद के लंबे अंतराल से हराया। वहीं भाजपा जितने अंतर से लोकसभा सीट हारी थी, उससे अधिक अंतर से उपचुनाव जीतकर अपना संकल्प पूरा किया।

दूल्हे समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में शादी के दौरान मंगलसूत्र न लाने के विवाद में दहेज के लिए शादी करने से मना करने वाले दूल्हे समेत चार के खिलाफ गुलरिहा पुलिस ने केस दर्ज किया है। शनिवार को चारों का शांति भंग में पुलिस ने कार्रवाई की थी। क्षेत्र के एक गांव की युवती के पिता का आरोप है कि अपनी बेटी की शादी बलरामपुर जिले के महाराजगंज ग्राम सर्रा मैनहवा निवासी बड़कन से तय की थी। शुक्रवार को गुलरिहा क्षेत्र में लड़की के घर बारात आई थी। दूल्हा बड़कन, अपने पिता गप्पू लाल, भाई छोटू व शादी तय कराने वाले अगुआ फूलकहे के साथ मंडप में बिना मंगलसूत्र के पहुंच गए थे। फेरो के बाद मंगलसूत्र मांगने पर वर पक्ष 2 लाख दहेज की मांग करने लगा था, तत्काल दहेज नहीं देने पर आरोपित धमकी देकर शादी करने से इन्कार कर दिया था। इससे पहले 51 हजार नगद उपहार दूल्हे को दिया जा चुका है। शादी से मना करने पर आहत पिता ने गुलरिहा पुलिस से न्याय की गुहार लगाई थी।

जिले में 242 करोड़ से बनेंगी 560 सड़कें

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में 242 करोड़ रुपये से 560 सड़कों की मरम्मत, चौड़ीकरण होगी। भारत–नेपाल सीमा पर बढ़नी बाईपास फोरलेन का निर्माण होगा। साथ ही तीन पुल भी बनेंगे। इसके लिए प्रदेश सरकार ने धन अवमुक्त कर दिया है। यह जानकारी सांसद जगदंबिका पाल ने रविवार को रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि जिले में पांच योजनाओं के तहत 560 सड़कों की स्वीकृति मिली है। इसके लिए प्रदेश सरकार की ओर से धन भी अवमुक्त कर दिया है। इसमें राज्य सड़क निधि, पंडित दीन दयाल उपाध्याय नव निर्माण, नाबार्ड, विशेष मरम्मत नवीनीकरण व सामान्य मरम्मत नवीनीकरण योजना से सड़कें बनेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने सांसद और विधायकों से कहा कि उन सड़कों की स्वीकृति पहले होगी जिन सड़कों की अधिक जरूरत हो। इसमें जिले में 560 सड़कें चिन्हित की गई थीं। इनकी लंबाई 775 किमी है। इसमें सड़कों का चौड़करण एवं सुदृढ़ीकरण व भारत–नेपाल सीमा पर बढ़नी बाईपास फोरलेन का निर्माण होगा। इसके अलावा जिले के अन्य सड़कों को भी शीघ्र स्वीकृति मिलेगी। इसके लिए सांसद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि ये सड़के जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। इन सड़कों के लिए धन अवमुक्त हो गया है। उन्होंने एक्सईएन पीडब्ल्यूडी से रेस्ट हाउस के बगल में बड़ा सभागार व तीन से चार सूट के निर्माण के लिए कार्ययोजना बनाकर देने की बात कहीं।

अवैध कमाई से खरीदी गई गैंगस्टर की डीसीएम कुर्क

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया पुलिस ने रविवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर की ढाई लाख रुपये की डीसीएम को कुर्क कर दिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई एसडीएम इटवा कुणाल की मौजूदगी में यूपी गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत की है। थानाध्यक्ष मिश्रौलिया हरिओम कुशवाहा ने बताया कि कुर्क की गई डीसीएम कुशीनगर के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के पिपरा रज्जब गांव निवासी नसीम अहमद की है। नसीम अहमद पर गोल्हौरा थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज है। जांच में पाया गया कि उसने अपराध से कमाए गए पैसों से यह वाहन खरीदा था। इसके बाद यह कार्रवाई विधिक प्रक्रिया के तहत की गई है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष गोल्हौरा बृजेश सिंह, कांस्टेबल अनिल कुमार, कुल भास्कर आदि शामिल रहे।

एमजी पीजी कॉलेज में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता आज से

संवाददाता–गोरखपुर। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का उद्घाटन सोमवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे होगा। डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह ने बताया कि क्रीडा प्रतियोगिता में ट्रैक एंड फील्ड के कुल 15–15 मुकाबले छात्र–छात्राओं के वर्गों में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

धर्म की स्थापना के लिए प्रभु ने लिया था अवतार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के सेमरा बनकसिया गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार की रात कथा वाचक पंडित अरुण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि अधर्म का विनाश कर धर्म की स्थापना के लिए प्रभु श्रीकृष्ण ने अवतार लिया था।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीकृष्ण की इच्छा के अनुसार उन्हें मथुरा से गोकुल में नंद और यशोदा के घर छोड़कर उनकी कन्या को ले जाकर कंस को आठवीं संतान को देकर वसुदेवजी ने कहा इसे छोड़ दीजिए मगर कंस नहीं माना और कन्या को पत्थर पर पटकने के लिए ऊपर उठाता है तो तुरंत कन्या कंस के हाथ से छूट गई और आकाश में देवी का रूप धारण कर कंस को चेतावनी देकर कहा कि तुम्हें मारने वाला गोकुल में जन्म ले चुका है। यह कह कर अंतर्ध्यान हो गई। इतनी बात सुन कंस गोकुल में सभी नवजात बच्चों को मारने का आदेश देता है। श्रीकृष्ण को मारने के लिए तरह–तरह के उपाय करने लगा मगर सभी असफल हुए। तब कंस ने पूतना नामक राक्षसी को भेजा। कृष्ण को मारने के लिए पूतना अपने स्तन में विष लगा कर स्तन पान कराने लगी। भगवान कृष्ण ने पूतना का स्तन पान करते करते उसके प्राणों का अंत कर दिया। इस दौरान आचार्य शांति भूषण द्विवेदी, जगदीश मिश्र, अमित पांडेय, राजकुमार, हरिश्चंद्र, लेखराम मिश्र, सुभाष चंद्र शुक्ल, रिंकू, अजय, सत्येंद्र शुक्ल आदि मौजूद रहे।

वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने वाले गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। वन विभाग कर्मचारियों संग मारपीट करने व सरकारी काम में बाधा डालने के दो आरोपियों को सिद्धार्थनगर थाना की पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि रामचन्दर उर्फ बुद्धू पुत्र हीरालाल यादव व सुनील कुमार पुत्र रामकरन निवासी वर्डपुर नंबर 14 टोला महुअरिया के खिलाफ धारा 191(2), 121, 121(2), 132, 352 बीएनएस का केस दर्ज था। दोनों फरार चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी कर ली गई है।

वर्चस्व की जंग में बाइक सवारों पर चढ़ाई थार, घायल दूसरे युवक की भी मौत

संवाददाता–अयोध्या। दो चचेरे भाइयों को अपनी थार गाड़ी से कुचल दिया था। दोनों जमीन पर गिर गए थे। गाड़ी उन्हें कुचलते हुए निकल गई थी। गंभीर रूप से घायल एक शख्स शनिवार सुबह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मरने वाले की पहचान बनवीरपुर के कप्तान सिंह के रूप में हुई थी। घटना में बुरी तरह घायल एक अन्य युवक की लखनऊ के ट्रामा सेंटर में मौत हो गई है। इसी वारदात से जुड़े एक अन्य मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मौके की नजाकत को देखते हुए बनवीरपुर गांव में पुलिस की निगरानी बढ़ाई गई है। शुक्रवार की रात गांव के ही अर्पित दुबे उर्फ अंकित ने अपनी थार गाड़ी से खेत की रखवाली कर लौट रहे गांव निवासी कप्तान सिंह उर्फ रविंद्र सिंह और उनके चचेरे भाई आलोक सिंह को बनबीरपुर तिराहे के पास रौंद दिया था। मामले में हत्या,जानलेवा हमला और धमकी की धारा में अर्पित दुबे के साथ उसके साथी पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी सुनील जायसवाल के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले में कप्तान सिंह उर्फ रविंद्र सिंह की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में शनिवार की सुबह मौत हुई थी, जबकि दूसरे घायल आलोक सिंह को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया था। गंभीर हाल आलोक सिंह ऑपरेशन के बाद वेंटिलेटर पर था और मध्य रात्रि बाद लगभग 1:00 बजे उसने ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। प्रकरण में कैंट पुलिस ने हत्या जानलेवा हमला और धमकी के मामले में एक आरोपी अर्पित दुबे उर्फ अंकित का चालान किया था,जबकि दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी है। वारदात के बाद घायलों को जिला अस्पताल ला रही कार को दूरदर्शन चौराहे के पास टक्कर मार और असलहा दिखा रोकने की कोशिश की गई थी था गाड़ी ना रोकने पर जिला अस्पताल पहुंचे कार के चालक वैभव सिंह की पिटाई हुई थी। इतना ही नहीं पोस्टमार्टम कराने जा रहे कार चालक वैभव पर सिविल लाइन क्षेत्र में भाजपा कार्यालय के पास भी हमला किया गया था। जिसमें थाना कैंट और नगर कोतवाली में अलग–अलग शिकायत दी गई थी। कैंट पुलिस ने मारपीट तथा जानलेवा हमले के मामले में चंदन त्रिपाठी समेत दो को हिरासत में लिया था।

कैंट पुलिस ने पीड़ित कर चालक वैभव सिंह उर्फ तन्नू की शिकायत पर जानलेवा हमला मारपीट, गाली गलौज,धमकी तथा कार को क्षतिग्रस्त करने के मामले में अलग से रिपोर्ट दर्ज की है और नामजद आरोपी मूल रूप से बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र स्थित सरैया तिवारी हाल पता मोहबरा,अयोध्या कोतवाली का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराने के बाद चालान किया है।

असल मुद्दों से ध्यान भटकाने को भाजपा लेती है धर्म का सहारा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा विधानसभा क्षेत्र के मझौवा चौराहे पर रविवार को आयोजित सपा के पीडीए जन चौपाल कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अयोध्या, प्रयागराज, बनारस और धर्म का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि डीजल, पेट्रोल, दवाई, कपड़ा, ट्रेन और बस के किराए में लगातार वृद्धि से गरीबों की मेहनत की कमाई पर असर पड़ रहा है। साथ ही शिक्षित युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है।

सपा के प्रदेश सचिव बेचई यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार केवल पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जिला महासचिव कमरुज्जमा खान ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान में संशोधन कर इसे कमजोर करने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम को छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक सिंह राजपूत, बबलू पाठक, हैवत अली समेत कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष बबलू खान व संचालन जिला उपाध्यक्ष उदयभान तिवारी ने किया। इस दौरान अरुण यादव, दीनानाथ मिश्र, रामरूप यादव, परशुराम यादव, सरवन गौतम, इफ्तेखार अहमद, रक्षाराम चौधरी, कृष्णलाल यादव, लालू यादव आदि मौजूद रहे।

876 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में 22 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को जन आरोग्य मेला लगा। इसमें कुल 876 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। इसमें खांसी, बुखार, उल्टीदस्त, पेट दर्दआदि मरीज सर्वाधिक रहे। जिन्हे दवा दी गई और फिर पांच दिन बाद बुलाया गया। सीएमओ डॉ रामानुज कन्नौजिया ने बताया कि सभी उप केंद्रों पर मरीजों का बेहतर उपचार किया गया और दवाएं दी गई।

कृपाशंकर अध्यक्ष और अरविंद बने महामंत्री

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर के सिंहेश्वरी मंदिर में रविवार को विश्व हिंदू महासंघ सिद्धार्थनगर इकाई का गठन हुआ। इसमें कृपाशंकर त्रिपाठी को जिलाध्यक्ष, अरविंद शुक्ल को महामंत्री मनोनीत किया गया। साथ ही जितेंद्र सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, माधुरी मिश्रा को महिला जिलाध्यक्ष, नेहा भारती मातृशक्ति उपाध्यक्ष व अनिल विश्वकर्मा अधिवक्ता प्रकोष्ठ अध्यक्ष व अमित त्रिपाठी को महामंत्री मनोनीत किया गया। इसके बाद सभी मनोनीत पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

अयोध्या के बार्डर पर बैरियर, प्रयागराज–रायबरेली हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम

संवाददाता–अयोध्या। देश के कोने–कोने से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के बाद रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंच रहे हैं। चाहे वह प्रयागराज हाईवे हो या फिर रायबरेली हाईवे, दोनों हाईवे पर श्रद्धालुओं के वाहनों का लंबा जाम लग रहा है। प्रयागराज हाईवे पर जाम लगने के बाद सुल्तानपुर वाया हलियापुर होते हुए रायबरेली हाईवे से श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। अयोध्या पुलिस ने दोनों जनपद की सीमाओं पर बैरियर लगा दिया है। अयोध्या में भीड़ का दबाव कम होने पर श्रद्धालुओं को अयोध्या जनपद की सीमा के अंदर लिया जा रहा है। अयोध्या–सुल्तानपुर सीमा के हलियापुर कूरेभार मोड़ पर श्रद्धालुओं के वाहनों का लंबा जाम लगा है। जनपद की सीमा पर अयोध्या पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। सीओ मिल्कीपुर श्रीयश त्रिपाठी व कुमारगंज के एसएचओ अमरजीत सिंह अपनी टीम के साथ सीमा पर तैनात हैं और सुल्तानपुर पुलिस का सहयोग भी कर रहे हैं। जाम में फंसे उड़ीसा और मध्य प्रदेश से आए श्रद्धालुओं ने बताया कि त्रिवेणी में स्नान करने के बाद रामलला के दर्शन करने की इच्छा है। इसके लिए वे सभी प्रयागराज से अयोध्या पहुंच रहे हैं। वैसे तो हर वर्ष महाकुंभ में स्नान करने के बाद श्रद्धालु अयोध्या पहुंचते थे लेकिन इस बार राम मंदिर बनने के बाद महाकुंभ में स्नान कर लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं जिससे अयोध्या में भीड़ का दबाव बढ़ गया है। प्रयागराज और रायबरेली हाईवे पर श्रद्धालुओं के वाहनों का लंबा जाम लग रहा है।

गोपाल मंदिर में लगा कैंप, 25 युवाओं ने किया रक्तदान

संवाददाता–गोरखपुर। गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक की ओर से दी पंजाबी समाज धर्मशाला बाजार के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन मोहद्दीपुर स्थित गोपाल मंदिर में किया गया। शिविर में नवीन बल्ला, मनीष साहनी, तन्नू साहनी, श्वेता साहनी, विवके त्रिपाठी, पारूल, प्रमोद कुमार सिंह, विष्णु प्रकाश, उत्कर्ष समेत 25 लोगों ने रक्तदान किया। दी पंजाबी समाज के सदस्य अशोक जुनेजा और कोषाध्यक्ष पवन जिन्दल ने भी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि युवाओं में रक्तदान को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां दूर हो रही है। पंजाबी समाज के अध्यक्ष दीपक कक्कड़ ने कहा कि प्रत्येक माह में एक बार पंजाबी समाज कमेटी परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन करेगी।

व्यवस्थित जीवन शैली में उपयोगी है स्काउट गाइड प्रशिक्षण

संवाददाता–गोरखपुर। भारत स्काउट और गाइड द्वारा आइडियल इंटरमीडिएट कॉलेज, प्यासी कुईं, खोराबार में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया।

मुख्य अतिथि प्रधान संघ के अध्यक्ष राम प्रसाद यादव ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग ज्ञान की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह व्यवस्थित जीवन शैली में उपयोगी है। प्रशिक्षण में मिली जानकारी को आत्मसात करने की जरूरत है। गिरीश चंद ने कहा कि स्काउट गाइड छात्रों के अंदर छुपी प्रतिभा उकेरने का मंच है।

कॉलेज के प्रबंधक शंभू शरण यादव और असिस्टेंट लीडर ट्रेनर स्काउट अजय गुप्ता 'बजरंगी, रामदरस चौरसिया, राजकुमार, दिलीप यादव ने भी संबोधित किया। संचालन प्रशिक्षिक लाजो रानी और आभार ज्ञापन प्रधानाचार्य इंद्रासन सिंह ने किया। शिविर को सफल बनाने में जंग बहादुर, कृष्ण कुमार, ओम प्रकाश शुक्ल, पूजा का विशेष सहयोग रहा।

घर का ताला तोड़कर चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के नंदानगर दरगहिया में शनिवार की रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर लगभग तीन लाख रुपये के जेवर और सामान चोरी कर लिए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, तपन सेठी दरगहिया में रहते हैं। सात फरवरी की शाम पूरे परिवार के साथ एक शादी में चले गए थे। दूसरे दिन सुबह जब आकर देखा तो पता चला घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर लाकर से जेवर व नगदी सहित कुल तीन लाख का सामान चोरी कर लिए हैं।

शिविर में 158 मरीजों का हुआ इलाज

संवाददाता–गोरखपुर। जंगल डुमरी नंबर दो के बासस्थान मंदिर परिसर में रविवार को गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 158 मरीजों के नेत्र की जांच कर उन्हें दवाएं दी गई। गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित ने बताया कि 56 मरीजों को मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया है। इस अवसर पर पिपराइच विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने जांच शिविर को सम्बोधित किया। शिविर में नेत्र सर्जन डॉ. पवन यादव, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. विनोद गुप्ता, डॉ. दिवाकर मिश्रा, विनोद सिंह नेगी, प्रवीण कुमार के साथ ही राकेश सिंह, आदित्य चौहान, लाल बहादुर सिंह, अरविंद सिंह, सिद्धू पासवान, गुड्डू चौरसिया, संतबली निषाद उपस्थित रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com